



सेमी-डेरिक फर्मयिन और मूलभूत कण

[स्रोत: द हट्टू](#)

चर्चा में क्यों?

कोलंबिया विश्वविद्यालय और पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के भौतिकविदों ने एक विशेष कण की खोज की है जिसे **सेमी-डेरिक फर्मयिन** के नाम से जाना जाता है।

- इस खोज से न केवल मूलभूत कणों के गुणों के बारे में नई अंतर्दृष्टि मिलेगी बल्कि **क्वांटम भौतिकी** के लिए भी इसके संभावित नहितार्थ हैं।

सेमी-डेरिक फर्मयिन क्या है?

- **परिचय:** सेमी-डेरिक फर्मयिन एक ऐसा कण है जिसमें एक दशा में चलते समय द्रव्यमान होता है लेकिन लंबवत दशा में नहीं (जो एक विशेष व्यवहार है) होता है। इसकी खोज क्रिस्टलीय पदार्थ **ज़रिक्कोनियम सिलिकॉन सल्फाइड (ZrSiS)** में की गई थी।
- **डेरिक फर्मयिन बनाम सेमी-डेरिक फर्मयिन:**
 - **डेरिक फर्मयिन:** इनमें द्रव्यमान होता है और ये अपने प्रतिकर्षणों से भिन्न होते हैं।
 - **सेमी-डेरिक फर्मयिन:** इनमें नश्वरि दशात्मक अक्षों पर द्रव्यमान होता है और ये विभिन्न परिस्थितियों में अलग-अलग व्यवहार कर सकते हैं। यह विशेष द्रव्यमान व्यवहार **वशिष्ट सामग्रियों में वदियुत तथा चुंबकीय बलों के साथ उनकी अंतःक्रिया** के कारण होता है।
- **क्वासिपार्टिकल्स:** सेमी-डेरिक फर्मयिन एक **क्वासिपार्टिकल** है, जिसका अर्थ है कि यह वशिष्ट परिस्थितियों में एकल कण की तरह व्यवहार करता है लेकिन यह कई ऊर्जा पैकेटों या कणों (प्रोटॉन के समान) से बना होता है।

मूल कण क्या हैं?

- **मूलभूत कण** या प्राथमिक कण से परिमाणुओं का निर्माण होता है तथा इनमें आंतरिक संरचना का अभाव होता है।
- कण भौतिकी के मानक मॉडल द्वारा **17 मूल कणों** की व्याख्या होती है, जिन्हें **फर्मयिन और बोसॉन में विभाजित** किया गया है, जो गुरुत्वाकर्षण को छोड़कर पदार्थ और ऊर्जा के निर्माण खंड हैं।

//

	three generations of matter (fermions)			interactions / forces (bosons)		
	I	II	III			
mass	$\approx 2.2 \text{ MeV}$	$\approx 1.3 \text{ GeV}$	$\approx 173 \text{ GeV}$	0	$\approx 125 \text{ GeV}$	0
charge	$+2/3$	$+2/3$	$+2/3$	0	0	0
spin	$1/2$	$1/2$	$1/2$	1	0	2
	u up	c charm	t top	g gluon	H Higgs	G graviton
	d down	s strange	b bottom	γ photon		
	e electron	μ muon	τ tau	± 1 W W boson		
	ν_e electron neutrino	ν_μ muon neutrino	ν_τ tau neutrino	Z Z boson		

QUARKS (I, II, III)

LEPTONS (e, μ , τ , ν_e , ν_μ , ν_τ)

GAUGE BOSONS VECTOR BOSONS (g, γ , W, Z)

SCALAR BOSONS (H)

HYPOTHETICAL TENSOR BOSONS (G)

■ फर्मियन और बोसॉन:

○ **फर्मियन:** ये कण द्रव्य का निर्माण करते हैं और [पाउली अपवर्जन सिद्धांत](#) का पालन करते हैं (कोई भी दो फर्मियन एक ही क्वांटम अवस्था में नहीं रह सकते), जो उन्हें अपना रूप बनाए रखने और नष्ट न होने में मदद करता है।

• इनमें वषिम अर्द्ध-पूर्णांक स्पिन (कोणीय गति) ($1/2$, $3/2$, और $5/2$) होते हैं।

• इनमें प्रोटॉन, न्यूट्रॉन, इलेक्ट्रॉन, न्यूट्रिनो और क्वार्क शामिल हैं। ये हमारे आस-पास वद्यमान हर चीज़ के मूल रचक खंड हैं।

• फर्मियन को इसके अतिरिक्त **डिराक या मेजराना फर्मियन** के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

○ **डिराक फर्मियन** वे फर्मियन होते हैं जिनमें **द्रव्यमान हो भी सकता है और नहीं भी**, लेकिन वे हमेशा अपने प्रतकिणों (वपिरीत आवेश और गुण वाले कण) से भिन्न होते हैं।

○ **मेजराना फर्मियन** ऐसे फर्मियन हैं जो स्वयं भी प्रतकिण हैं।

■ **बोसोन:** बोसोन कणों के बीच बलों को संचारित करने के लिए जम्मेदार होते हैं। फर्मियन के वपिरीत, बोसोन **पॉली अपवर्जन सिद्धांत का पालन नहीं करते हैं**, एक ही क्वांटम अवस्था में बड़ी संख्या में मौजूद हो सकते हैं, **जैसा कि सुपरफ्लुइडिटी** जैसी घटनाओं में देखा जाता है और **बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट (बोसोनिक परमाणुओं को पुरण शून्य के करीब ठंडा किया जाता है)** के गठन की ओर ले जाता है।

○ बोसॉन में **फोटॉन, ग्लूऑन और हगिस बोसोन शामिल हैं**, जो सभी बल वाहक के रूप में कार्य करते हैं। उनके पास पूर्णांक संख्या (0, 1, 2, आदि) होती है।

○ बोसॉन को दो श्रेणियों में विभाजित किया जाता है: गेज बोसॉन और स्केलर बोसॉन।

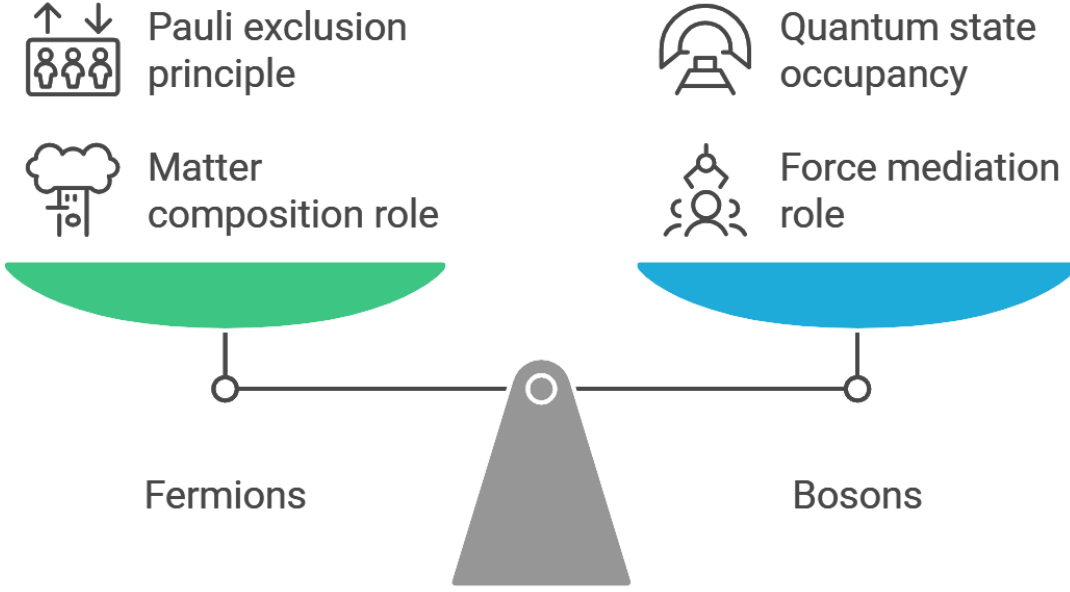
• वद्युतचुंबकीय, प्रबल और दुर्बल नाभिकीय बलों सहित मूलभूत बलों को **गेज बोसॉन (स्पिन 1)** जैसे कि फोटॉन और ग्लूऑन द्वारा वहन किया जाता है।

• शून्य स्पिन वाले **स्केलर बोसॉन में हगिस बोसॉन शामिल है**, जो कणों को द्रव्यमान प्रदान करने के लिये जम्मेदार है।

■ **अनुप्रयोग:** मूल कणों के विभिन्न अनुप्रयोग हैं, जिनमें **मेडिकल इमेजिंग, परमाणु ऊर्जा (वखंडन में न्यूट्रॉन)** शामिल हैं।

■ वे क्वांटम कंप्यूटिंग, कैंसर उपचार के लिये कण चिकित्सा और इलेक्ट्रॉनिक्स में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जहाँ **इलेक्ट्रॉन ट्रांज़िस्टर और अर्द्ध-चालक जैसे उपकरणों को शक्ति प्रदान करते हैं।**

■ ये कण व्यावहारिक प्रौद्योगिकियों और मौलिक भौतिकी अनुसंधान दोनों को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।



Comparing Roles and Properties of Fundamental Particles

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रश्न: कभी-कभी समाचारों में 'इवेंट होराइजन', 'सगिलैरिटी', 'स्ट्रगि थ्योरी' और 'स्टैंडर्ड मॉडल' जैसे शब्द किस संदर्भ में आते हैं? (2017)

- (a) ब्रह्मांड का प्रेक्षण और बोध
- (b) सूर्य और चंद्र ग्रहणों का अध्ययन
- (c) पृथ्वी की कक्षा में उपग्रहों का स्थापन
- (d) पृथ्वी पर जीवित जीवों की उत्पत्ति और क्रम विकास

उत्तर: (a)